चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 10 जुलाई 2026, अंक –307.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

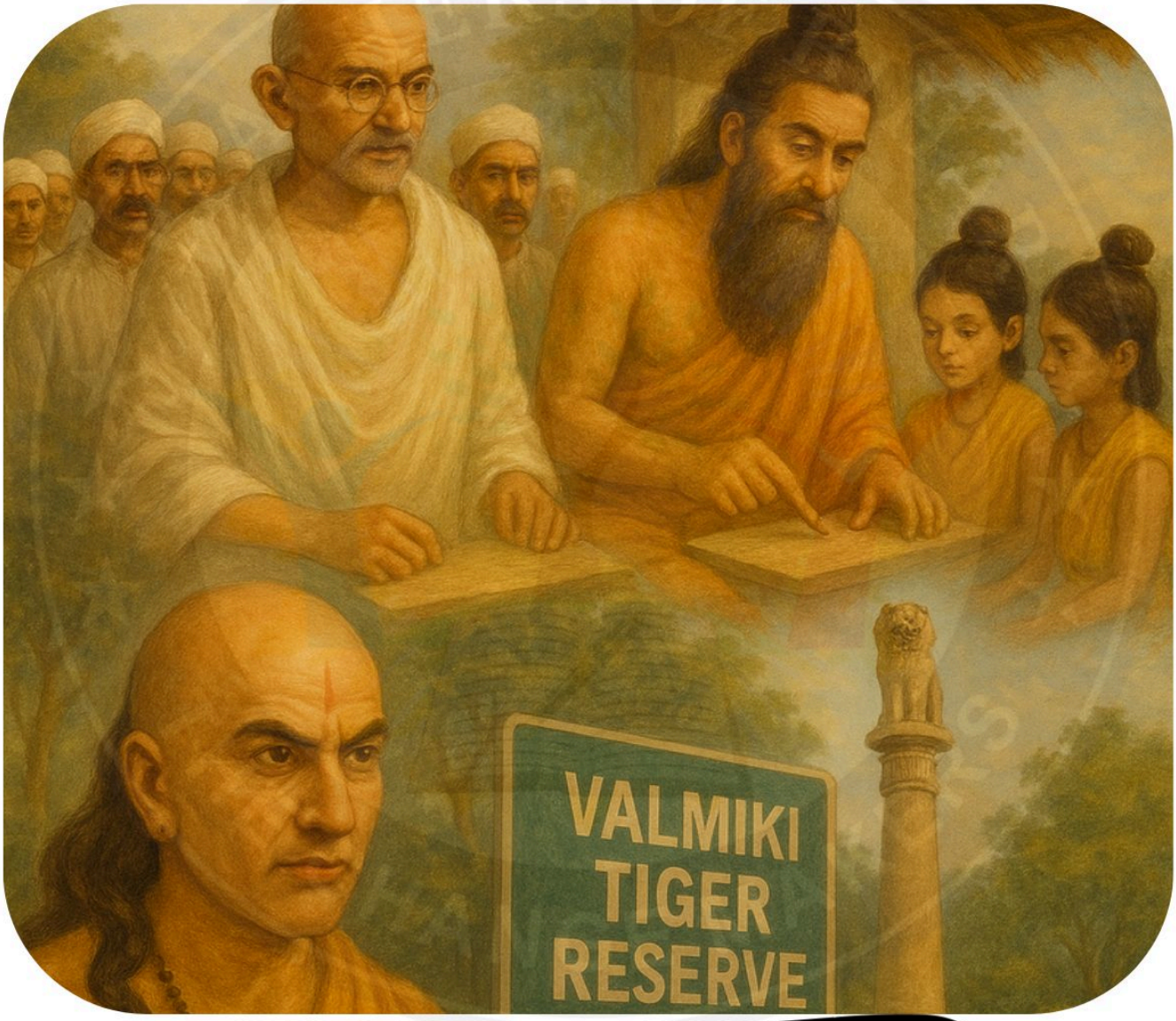

"कल के काम को आज ही निपटा लेना बुद्धिमानी है।"

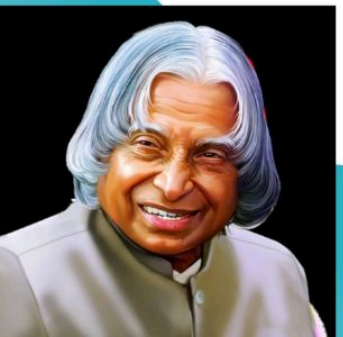

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. तुर्किये (Türkiye) की मुद्रा क्या कहलाती है?
उत्तर: तुर्की लीरा
प्रश्न 2. भारत के पहले परमवीर चक्र विजेता कौन थे?
उत्तर: मेजर सोमनाथ शर्मा
प्रश्न 3. 'छऊ' (Chhau) नृत्य मुख्यत: भारत के किन राज्यों से संबंधित है?
उत्तर: झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल
प्रश्न 4. 1 से 50 तक कुल कितनी अभाज्य (Prime) संख्याएँ हैं?
उत्तर: 15
प्रश्न 5. बिहार में स्थित प्राचीन 'बराबर गुफाएँ' का निर्माण किस वंश के शासनकाल में हुआ था?
उत्तर: मौर्य वंश
प्रश्न 6. नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: उत्तराखंड
प्रश्न 7. प्रेशर कुकर का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: डेनिस पैपिन
प्रश्न 8. भारत के संविधान के किस अनुच्छेद में समान कार्य के लिए समान अवसर (Equality of Opportunity) का प्रावधान है?
उत्तर: अनुच्छेद 16
प्रश्न 9. 'पुत्री' शब्द का पुल्लिंग क्या है?
उत्तर: पुत्र
प्रश्न 10. मनुष्य के शरीर में सबसे बड़ी मांसपेशी (Muscle) कौन-सी है?
उत्तर: ग्लूटियस मैक्सिमस

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Orange – (ऑरेंज) – संतरा
Mango – (मैंगो) – आम
Banana – (बनाना) – केला
Apple – (ऐप्पल) – सेब
Grapes – (ग्रेप्स) – अंगूर
Guava – (गुआवा) – अमरूद
Papaya – (पपाया) – पपीता

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: “तुम ... नहीं सकते/सकती हो” (You cannot / You can't ...)

तुम तैर नहीं सकते/सकती हो। – You cannot swim.
तुम गाड़ी नहीं चला सकते/सकती हो। – You cannot drive.
तुम झूठ नहीं बोल सकते/सकती हो। – You cannot tell a lie.
तुम इतना ऊँचा नहीं कूद सकते/सकती हो। – You cannot jump so high.
तुम यह प्रश्न हल नहीं कर सकते/सकती हो। – You cannot solve this question.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 10 जुलाई को देश के जलीय कृषि क्षेत्र के विकास में वैज्ञानिकों के योगदान को सराहने और मछली पालकों को प्रोत्साहित करने के लिए कौन सा राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है?
उत्तर: राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस
व्याख्या: भारत में प्रतिवर्ष 10 जुलाई को 'राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस' (National Fish Farmers' Day) मनाया जाता है। यह दिवस महान मत्स्य वैज्ञानिकों डॉ. के. एच. अलीकुन्ही और डॉ. एच. एल. चौधरी की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने 10 जुलाई 1957 को उड़ीसा के अंगुल में पहली बार भारतीय प्रमुख कार्प मछलियों में 'प्रेरित प्रजनन' (Induced Breeding) की तकनीक को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया था। इस तकनीक ने देश में नीली क्रांति (Blue Revolution) की नींव रखी। यह दिन जलीय कृषि क्षेत्र के सतत विकास, मत्स्य पालन प्रबंधन और मछुआरों के आर्थिक उत्थान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बेहद महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: मात्स्यिकी, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार आधिकारिक पोर्टल, राष्ट्रीय दिवस कैलेंडर 2026।

प्र.2. 7 जुलाई 2026 को प्रधानमंत्री मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया गया — उस सम्मान का नाम क्या है और यह किस वर्ष स्थापित हुआ था?
उत्तर: बिंटांग अदिपूर्ण (Bintang Adipurna); 1959
व्याख्या: 7 जुलाई 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो द्वारा जकार्ता के इस्ताना मर्देका (राष्ट्रपति भवन) में "बिंटांग अदिपूर्ण" — इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान — प्रदान किया गया। यह सम्मान 1959 में स्थापित हुआ था और उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने इंडोनेशिया की एकता, निरंतरता और समृद्धि में असाधारण योगदान दिया हो। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सम्मान को 140 करोड़ भारतीयों और भारत-इंडोनेशिया मित्रता की स्थायी कड़ियों को समर्पित किया। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को भी यही सम्मान मरणोपरांत प्रदान किया गया था। इस यात्रा में कुल 20 प्रमुख परिणाम सामने आए जिनमें 14 MoU और छह प्रमुख घोषणाएँ शामिल थीं। (ANI News)
संदर्भ: barristery.in Daily Current Affairs 8 July 2026

प्र.3. "मृच्छकटिक" (Mṛcchakaṭika) संस्कृत साहित्य का एक प्रसिद्ध नाटक है जिसमें एक गरीब ब्राह्मण और एक नगरवधू की प्रेम कथा है — इसके रचयिता कौन हैं?
उत्तर: शूद्रक
व्याख्या: "मृच्छकटिक" (The Little Clay Cart) राजा शूद्रक द्वारा रचित एक प्रसिद्ध संस्कृत नाटक है जो लगभग चौथी-छठी शताब्दी का माना जाता है। इसमें गरीब ब्राह्मण "चारुदत्त" और वेश्या "वसंतसेना" की प्रेम कथा के माध्यम से तत्कालीन भारतीय समाज के विभिन्न वर्गों का यथार्थ चित्रण किया गया है। यह नाटक अपनी सामाजिक सजगता, हास्य, राजनीतिक व्यंग्य और मानवीय संवेदनाओं के लिए विश्वप्रसिद्ध है। इसमें राजनीतिक षड्यंत्र, न्यायालय प्रणाली और कृषक जीवन के चित्र भी मिलते हैं। संस्कृत साहित्य में भास, कालिदास, भवभूति और शूद्रक के नाटक विशेष स्थान रखते हैं। UPSC GS-I के "भारतीय कला एवं संस्कृति" खंड में यह नाटक अत्यंत प्रासंगिक है।
संदर्भ: NCERT History Class 12, Theme 3 Kinship Caste and Class — Sanskrit Literature;

प्र.4. 8 जुलाई 2026 को केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन की घटना हुई — भूस्खलन (Landslide) के लिए मुख्यतः कौन सी परिस्थितियाँ उत्तरदायी होती हैं?
उत्तर: भारी वर्षा, ढालू भूमि, वनों की कटाई
व्याख्या: 8 जुलाई 2026 को केरल के वायनाड में भूस्खलन की दुखद घटना हुई। भूस्खलन (Landslide) वह भूगर्भिक घटना है जिसमें ढालदार भूमि पर मृदा, चट्टान और मलबे का ऊपर से नीचे तीव्र गति से खिसकना होता है। इसके प्रमुख कारण हैं: (1) अत्यधिक एवं तीव्र वर्षा जो मृदा को संतृप्त कर भार बढ़ाती है, (2) पश्चिमी घाट जैसे ढालदार पर्वतीय क्षेत्र जहाँ ढलान अधिक होती है, (3) वनों की कटाई से जड़ प्रणाली कमजोर होती है जो मृदा को बाँधकर रखती है, (4) अनियोजित निर्माण और भूमि उपयोग परिवर्तन। NDMA के अनुसार भारत के पर्वतीय राज्यों — उत्तराखंड, हिमाचल, केरल, सिक्किम — में मानसून के दौरान भूस्खलन की सर्वाधिक घटनाएँ होती हैं। बिहार में भी भारी वर्षा के दौरान तराई क्षेत्रों में भूमि कटाव होती है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 11, Ch 7 Natural Hazards and Disasters, p. 98–103;

प्र.5. सिंधु घाटी सभ्यता के किस प्रमुख स्थल से "नृत्य करती हुई लड़की" (Dancing Girl) की काँसे की मूर्ति प्राप्त हुई है जो अब राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में रखी है?
उत्तर: मोहनजोदड़ो
व्याख्या: "नृत्य करती हुई लड़की" (Dancing Girl) 10.8 सेंटीमीटर ऊँची काँसे की मूर्ति मोहनजोदड़ो (वर्तमान पाकिस्तान) से 1926 में प्राप्त हुई थी। यह सिंधु घाटी सभ्यता की "खोई मोम प्रक्रिया" (Lost Wax Technique) से निर्मित है। मूर्ति में एक युवती को आत्मविश्वासी मुद्रा में खड़े दर्शाया गया है — बाएँ हाथ में चूड़ियाँ, दाहिना हाथ कमर पर। यह कलाकृति लगभग 2500 ईपू की है और मानव शरीर की अद्भुत कलात्मक अभिव्यक्ति का प्रतीक है। यह मूर्ति वर्तमान में राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में सुरक्षित है। यह भारत की धातु शिल्प परंपरा की प्राचीनता का प्रमाण है।
संदर्भ: NCERT History Class 12, Theme 1 Bricks Beads and Bones, p. 3–4;

प्र.6. भारत की "छोटा नागपुर पठार" (Chota Nagpur Plateau) किन खनिज संपदाओं के लिए "भारत का रूर प्रदेश" (Ruhr of India) कहलाती है?
उत्तर: लौह अयस्क, कोयला, अभ्रक, मैंगनीज
व्याख्या: छोटा नागपुर पठार झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में विस्तृत है। इसे "भारत का रूर प्रदेश" कहा जाता है — जर्मनी के रूर प्रदेश की तरह यह खनिज-सम्पन्न एवं औद्योगिक क्षेत्र है। यहाँ लौह अयस्क (हेमेटाइट), कोयला, अभ्रक (Mica), बॉक्साइट, मैंगनीज और तांबे के विशाल भंडार हैं। झारखंड में धनबाद, बोकारो, सिंहभूम प्रमुख खनिज जिले हैं। TISCO (टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी, जमशेदपुर, 1907) और बोकारो स्टील प्लांट इसी क्षेत्र में स्थित हैं। यह क्षेत्र दामोदर नदी घाटी में स्थित है जहाँ दामोदर वैली कॉर्पोरेशन (DVC) कार्यरत है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 10, Ch 5 Minerals and Energy Resources, p. 57–63;

प्र.7. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 280 के अंतर्गत गठित "वित्त आयोग" (Finance Commission) का प्राथमिक कार्य क्या है और इसकी संस्तुतियाँ किस अवधि के लिए होती हैं?
उत्तर: केंद्र-राज्य कर वितरण; पाँच वर्ष
व्याख्या: अनुच्छेद 280 के अंतर्गत राष्ट्रपति प्रत्येक पाँच वर्ष पर वित्त आयोग का गठन करते हैं। इसका प्राथमिक कार्य केंद्र और राज्यों के बीच करों के शुद्ध आगमों के वितरण की सिफारिश करना है। वित्त आयोग "ऊर्ध्वाधर विचलन" (Vertical Devolution — केंद्र से राज्यों को) और "क्षैतिज विचलन" (Horizontal Devolution — राज्यों के बीच) दोनों पर सिफारिशें करता है। 16वाँ वित्त आयोग (अध्यक्ष: डॉ. अरविंद पनगड़िया) 2026-31 की अवधि के लिए सिफारिशें प्रस्तुत करेगा। 15वें वित्त आयोग ने राज्यों के लिए 41% का विचलन अनुपात निर्धारित किया था।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 11 — Indian Constitution at Work, Ch 7 Federalism,

प्र.8. "UPI" (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) की शुरुआत किस वर्ष हुई और इसे किस भारतीय संस्था ने विकसित किया?
उत्तर: 2016; NPCI (नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया)
व्याख्या: UPI (Unified Payments Interface) को भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) और भारतीय बैंक संघ की पहल पर स्थापित "NPCI" (National Payments Corporation of India) ने विकसित किया और अप्रैल 2016 में लॉन्च किया। भारत और इंडोनेशिया ने 2026 के अंत तक UPI और इंडोनेशिया के QRIS (Quick Response Code Indonesian Standard) प्रणाली को एकीकृत करने की योजना बनाई है जिससे दोनों देशों के बीच निर्बाध डिजिटल भुगतान संभव होगा। UPI वर्तमान में विश्व की सबसे बड़ी रियल-टाइम डिजिटल भुगतान प्रणाली है जिसमें प्रतिमाह 17 अरब से अधिक लेनदेन होते हैं। सिंगापुर, UAE, फ्रांस, भूटान, नेपाल सहित 20 से अधिक देशों में UPI स्वीकार किया जाता है।
संदर्भ: NPCI Official Portal — npci.org.in; RBI Annual Report 2025-26

प्र.9. "कुचिपुड़ि" (Kuchipudi) शास्त्रीय नृत्य शैली किस राज्य की है और इसका नाम किस ग्राम के नाम पर पड़ा जहाँ यह परंपरागत रूप से पुरुषों द्वारा प्रस्तुत की जाती थी?
उत्तर: आंध्र प्रदेश; कुचेलापुरम (कुचिपुड़ि)
व्याख्या: कुचिपुड़ि (Kuchipudi) आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में स्थित "कुचेलापुरम" (कुचिपुड़ि) नामक गाँव का नाम है जहाँ से यह नृत्य-नाट्य शैली उत्पन्न हुई। परंपरागत रूप से यह एक "नृत्य-नाट्य" (Dance-Drama) थी जिसे पुरुष ब्राह्मण कलाकार महिला वेशभूषा में करते थे। 17वीं शताब्दी में सिद्धेंद्र योगी ने इसे "भामाकलापम" नाटिका के रूप में संहिताबद्ध किया। आधुनिक काल में लास्या अंग के समावेश से यह एकल एवं समूह नृत्य के रूप में भी प्रस्तुत होती है। "पीतल थाल" (Brass Plate) पर नृत्य और सिर पर जल से भरा कलश रखकर नृत्य इसकी विशिष्ट पहचान है। यह संगीत नाटक अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त आठ शास्त्रीय नृत्य शैलियों में से एक है।
संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 6 Performing Arts; Sangeet Natak Akademi, New Delhi;

प्र.10. बिहार में "दरभंगा राज" किस लिए प्रसिद्ध था और यहाँ स्थित "ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय" की स्थापना किस वर्ष हुई?
उत्तर: मैथिल संस्कृति-संरक्षण; 1972
व्याख्या: दरभंगा राज उत्तर बिहार का एक ऐतिहासिक जमींदारी राज्य था जो मिथिला संस्कृति, संस्कृत विद्या, मैथिल ब्राह्मण परंपरा और स्थापत्य कला के संरक्षण के लिए प्रसिद्ध था। दरभंगा के महाराज कामेश्वर सिंह संस्कृत और मैथिली साहित्य के महान संरक्षक थे। उन्होंने "कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय" की स्थापना की। "ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय" (LNMU) की स्थापना 1972 में दरभंगा में हुई जो मिथिलांचल क्षेत्र का प्रमुख उच्च शिक्षा केंद्र है। दरभंगा मधुबनी चित्रकला (Madhubani Painting) के लिए विश्वप्रसिद्ध क्षेत्र का निकटवर्ती केंद्र है। मिथिला क्षेत्र की यह सांस्कृतिक विरासत बिहार की पहचान का महत्वपूर्ण अंग है।
संदर्भ: NCERT History Class 7, Ch 2 — Medieval Regional Culture

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के जुलाई माह के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, विद्यालय में "बाढ़ मॉक ड्रिल" (Flood Mock Drill) का आयोजन क्यों आवश्यक है और इसे कितनी बार करना चाहिए?
उत्तर: आपदा में त्वरित प्रतिक्रिया; वर्ष में कम से कम दो बार
व्याख्या: BSDMA के मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अनुसार, "बाढ़ मॉक ड्रिल" इसलिए अनिवार्य है क्योंकि वास्तविक आपदा में बिना पूर्व-अभ्यास के व्यवस्थित निकासी संभव नहीं होती — भय और घबराहट से जीवन खतरे में पड़ सकता है। मॉक ड्रिल से: (1) बच्चे सुरक्षित निकासी मार्ग याद कर लेते हैं, (2) शिक्षक अपनी भूमिका समझते हैं, (3) कमज़ोर छात्रों की पहचान होती है जिन्हें विशेष सहायता चाहिए, (4) संचार तंत्र की जाँच होती है। BSDMA का निर्देश है कि प्रत्येक बाढ़-प्रवण क्षेत्र के विद्यालय में वर्ष में कम से कम दो बार — जून प्रारंभ (मानसून पूर्व) और अगस्त-सितंबर (बाढ़ चरम काल) में — मॉक ड्रिल आयोजित करें। चंपारण जैसे बाढ़-संवेदनशील जिलों में यह अभ्यास जीवन-रक्षक है।
संदर्भ: BSDMA Flood Mock Drill Guidelines, Vidyalaya Suraksha Karyakram; bsdma.org

प्र.12. दो संख्याओं का अनुपात 3:5 है। यदि दोनों संख्याओं में 10 जोड़ा जाए तो नया अनुपात 5:7 हो जाता है। वे दोनों मूल संख्याएँ क्या हैं?
उत्तर: 15 और 25
व्याख्या: माना दोनों संख्याएँ 3k और 5k हैं। शर्त: (3k + 10)/(5k + 10) = 5/7। क्रॉस गुणा करने पर: 7(3k + 10) = 5(5k + 10) → 21k + 70 = 25k + 50 → 70 − 50 = 25k − 21k → 20 = 4k → k = 5। अत: मूल संख्याएँ = 3×5 = 15 और 5×5 = 25। सत्यापन: 15:25 = 3:5 ✓ और (15+10):(25+10) = 25:35 = 5:7 ✓। यह "अनुपात एवं समानुपात" (Ratio and Proportion) का एक मानक प्रश्न है जो BPSC, SSC, Railway एवं बैंकिंग परीक्षाओं में अत्यंत प्रचलित है।
संदर्भ: NCERT Mathematics Class 6, Ch 12 Ratio and Proportion, p. 244–250

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

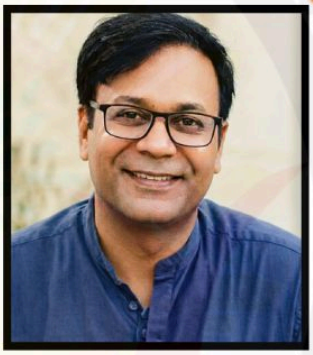

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Lethargy (लेथार्जी) = Sluggishness (स्लगिशनेस) = सुस्ती / निष्क्रियता
Antonym – Vigour (विगर) = स्फूर्ति / ऊर्जा
Magnanimous (मैग्नैनिमस) = Generous (जेनरस) = उदार / क्षमाशील
Antonym – Vindictive (विन्डिक्टिव) = प्रतिशोधी
Nebulous (नेब्युलस) = Vague (वेग) = अस्पष्ट / धुंधला
Antonym – Definite (डेफिनिट) = स्पष्ट / निश्चित
Oblivious (ऑब्लिवियस) = Unaware (अनअवेयर) = अनजान / अनभिज्ञ
Antonym – Aware (अवेयर) = जागरूक / सचेत
Prolific (प्रोलिफिक) = Productive (प्रोडक्टिव) = अत्यधिक उत्पादक / बहुप्रसव
Antonym – Unproductive (अनप्रोडक्टिव) = अनुत्पादक

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. PM Modi Concludes Landmark Indonesia Visit; Conferred 'Bintang Adipurna' — Indonesia's Highest Honour; BrahMos Deal Among 20 Key Outcomes

हिन्दी अनुवाद: PM मोदी की ऐतिहासिक इंडोनेशिया यात्रा संपन्न; 'बिन्तांग आदिपुर्ण' सर्वोच्च सम्मान; BrahMos मिसाइल सौदे सहित 20 बड़े समझौते।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियान्तो ने मेर्देका पैलेस में संयुक्त वक्तव्य के दौरान PM मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक एवं सैन्य सम्मान 'Bintang Republik Indonesia Adipurna' प्रदान किया। (News on Air) यात्रा के 20 प्रमुख परिणामों में — (1) BrahMos सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल रक्षा समझौता, (2) Astra हवा-से-हवा मिसाइल सहयोग विस्तार, (3) क्रिटिकल मिनरल्स एवं इस्पात आपूर्ति श्रृंखला MoU, (4) IIM बैंगलोर की Singhasari SEZ में शाखा स्थापना, (5) Sabang Port विकास सहयोग, (6) इंडोनेशिया के लिए EVM विकास सहायता, और (7) रवीन्द्रनाथ टैगोर की इंडोनेशिया यात्रा शताब्दी पर 'टैगोर-देवन्तर सांस्कृतिक-शैक्षिक कूटनीति वर्ष' घोषित करना शामिल हैं। (Press Information Bureau) 8 जुलाई को PM मोदी ने राष्ट्रपति प्राबोवो के साथ Yogyakarta में प्रम्बनन मंदिर परिसर का दौरा किया — यह 9वीं शताब्दी में निर्मित इंडोनेशिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर परिसर और UNESCO विश्व धरोहर स्थल है, जिसके जीर्णोद्धार में ASI सहयोग करेगी।

2. AISHE Report Released: Higher Education Enrolment Hits Record 4.50 Crore; Female GER Surpasses Male for 7th Consecutive Year

हिन्दी अनुवाद: AISHE रिपोर्ट जारी: उच्च शिक्षा नामांकन रिकॉर्ड 4.50 करोड़; लगातार 7वें वर्ष महिला GER पुरुष से अधिक।

शिक्षा मंत्रालय ने 8 जुलाई 2026 को उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (AISHE) 2022-23 और 2023-24 की रिपोर्टें जारी कीं। (Organiser Weekly) कुल नामांकन 4.50 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँचा और GER 30 हो गया। (Education21) महिला GER 2023-24 में 31.2 पर पहुँचा जो पुरुष GER से अधिक है — GPI 1.08 के साथ यह लगातार 7वाँ वर्ष है जब महिला भागीदारी पुरुषों से अधिक रही। (AISHE) STEM में नामांकन 2014-15 के 91.5 लाख से बढ़कर 1.02 करोड़ हुआ; STEM में महिलाओं की हिस्सेदारी 38.4% से बढ़कर 44% हुई। (AISHE) विदेशी छात्रों की संख्या 48,726 से बढ़कर 58,134 हो गई, जो 173 देशों से आए हैं। UPSC/BPSC परीक्षार्थियों के लिए यह रिपोर्ट शिक्षा, सामाजिक न्याय और लैंगिक समानता तीनों विषयों से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण तथ्य है।

3. Cabinet Approves PM-SETU Scheme for Upgrading 14,000+ ITIs into World-Class Vocational Hubs

हिन्दी अनुवाद: कैबिनेट ने PM-SETU योजना को मंजूरी दी: 14,000 से अधिक ITI को विश्वस्तरीय व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों में रूपांतरित किया जाएगा।

केंद्रीय कैबिनेट ने 7 जुलाई 2026 को 'प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड ITIs' (PM-SETU) योजना को राष्ट्रव्यापी लागू करने की मंजूरी दी। (Tempo) PM-SETU का उद्देश्य भारत के ITIs को उद्योग-संरेखित पाठ्यक्रम, आधुनिक उपकरण, डिजिटल लैब और PPP आधारित शासन के साथ विश्वस्तरीय व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों में बदलना है; भारत में 14,000 से अधिक ITI हैं जिनमें प्रति वर्ष लगभग 24 लाख सीटें उपलब्ध हैं। (Tempo) यह योजना Skill India Mission (जुलाई 2015 में प्रारंभ) और PMKVY के पूरक के रूप में कार्य करेगी।

INTERNATIONAL NEWS

1. Khamenei Buried in Mashhad; Iran Assembly of Experts to Elect New Supreme Leader This Week

हिन्दी अनुवाद: खामेनेई को मशहद में दफनाया गया; ईरान की विशेषज्ञ परिषद इस सप्ताह नए सर्वोच्च नेता का चुनाव करेगी।

ईरान के स्वर्गीय सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई को तेहरान-क़ुम-कर्बला-मशहद की दीर्घ यात्रा के बाद मशहद में दफनाया गया। लाखों शोकार्थियों की उपस्थिति के बीच संपन्न यह अंतिम संस्कार आधुनिक ईरानी इतिहास के सबसे बड़े जन-समागमों में से एक रहा। अब ईरान की विशेषज्ञ परिषद (Assembly of Experts) इस सप्ताह नए सर्वोच्च नेता का चुनाव करेगी; मोजतबा खामेनेई — जो अमेरिका-इज़राइली हमले में घायल बताए गए हैं — अभी भी सार्वजनिक रूप से नहीं दिखे हैं। वैश्विक समुदाय ईरान के अगले कदम पर नज़र बनाए हुए है।

2. India Becomes World's Largest Hub for Retail & FMCG GCCs with 180 Centres and 2.72 Lakh Professionals: McKinsey-FICCI Report

हिन्दी अनुवाद: भारत बना रिटेल और FMCG GCC का वैश्विक सबसे बड़ा केंद्र: 180 GCC और 2.72 लाख पेशेवर — McKinsey-FICCI रिपोर्ट।

McKinsey & Company और FICCI द्वारा 8 जुलाई 2026 को संयुक्त रूप से जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत 180 GCC केंद्रों और 2,72,000 से अधिक पेशेवरों के साथ रिटेल और FMCG क्षेत्र के Global Capability Centres का विश्व में सबसे बड़ा केंद्र बन गया है। (Press Information Bureau) भारत का GCC पारिस्थितिकी तंत्र प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं, रिटेल, FMCG, स्वास्थ्य और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में 1,750 से अधिक केंद्रों और लगभग 19.5 लाख पेशेवरों को समेटे हुए $64 अरब (FY25) का उद्योग है, जिसके FY30 तक $100 अरब से अधिक होने की उम्मीद है।

3. Tripura Makes Vande Mataram and Jana Gana Mana Compulsory in All Schools

हिन्दी अनुवाद: त्रिपुरा ने सभी स्कूलों में 'वन्दे मातरम्' और 'जन गण मन' को अनिवार्य किया।

त्रिपुरा राज्य सरकार ने 7 जुलाई 2026 से प्रभावी होते हुए राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' का पूर्ण संस्करण अनिवार्य कर दिया है। (Tempo) यह निर्णय राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक जागरूकता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। संविधान के अनुच्छेद 51A के अंतर्गत राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत का सम्मान प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य है।

BIHAR NEWS

1. Bihar Flood Worsens: Over 25 Lakh People Affected Across 10 Districts; CM Nitish Reviews Relief Ops
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: 10 ज़िलों में 25 लाख से अधिक लोग प्रभावित; CM नीतीश ने समीक्षा बैठक की; सामुदायिक रसोई और पशु चिकित्सा सेवाएं शुरू।
गंगा, गंडक, कोसी, बागमती और महानंदा सहित सभी प्रमुख नदियाँ अपने जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण उफान पर हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों की निगरानी के लिए अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। (COLLEGE SIMPLIFIED) उन्होंने निर्देश दिया कि प्रभावित लोगों को सामुदायिक रसोई के माध्यम से आश्रय और पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया जाए और पशुओं के लिए चारे तथा पशु चिकित्सा सेवाओं की व्यवस्था की जाए। साथ ही किसानों की फसल क्षति का आकलन करने के लिए कृषि और आपदा प्रबंधन विभाग को निर्देशित किया। (COLLEGE SIMPLIFIED) पश्चिम चम्पारण और पूर्वी चम्पारण में वर्षा-पोषित नदियों में भारी प्रवाह से बाढ़ के हालात; सीतामढ़ी में बागमती सहित सभी नदियाँ खतरे के निशान से ऊपर।

2. Bihar Eliminates Lymphatic Filariasis in Araria, Madhepura & Supaul — A Historic Public Health Victory
हिन्दी अनुवाद: बिहार ने अरारिया, मधेपुरा और सुपौल में लिम्फेटिक फाइलेरियासिस (हाथीपाँव) को समाप्त किया — ऐतिहासिक सार्वजनिक स्वास्थ्य उपलब्धि।
जुलाई 2026 की शुरुआत में बिहार ने अरारिया, मधेपुरा और सुपौल सहित कई प्रमुख ज़िलों में लिम्फेटिक फाइलेरियासिस (LF) के लिए अपने पहले ट्रांसमिशन असेसमेंट सर्वे (TAS) को सफलतापूर्वक पास किया। (Yahoo Sports) यह एक ऐतिहासिक सार्वजनिक स्वास्थ्य उपलब्धि है — लिम्फेटिक फाइलेरियासिस (हाथीपाँव) एक परजीवी रोग है जो मच्छरों द्वारा फैलता है और बिहार के तराई एवं उत्तरी ज़िलों में विशेष रूप से प्रचलित था। यह उपलब्धि 2030 तक NTDs (Neglected Tropical Diseases) के उन्मूलन के भारत के लक्ष्य के अनुरूप है।

SPORTS NEWS

1. FIFA WC Quarter-Final Today: France vs Morocco at Boston — Mbappe Chases History; Defending Champions Set for Epic Clash
हिन्दी अनुवाद: FIFA विश्व कप क्वार्टर-फाइनल आज: बॉस्टन में फ्रांस बनाम मोरक्को — एम्बापे इतिहास की दौड़ में; विश्व कप का पहला क्वार्टर-फाइनल।
गुरुवार, 9 जुलाई को Gillette Stadium, Foxborough (Boston) में शाम 4 बजे (ET) फ्रांस बनाम मोरक्को का क्वार्टर-फाइनल मुकाबला होगा। (Yahoo Sports) फ्रांस ने ग्रुप स्तर से Round of 16 तक सभी मैच जीते हैं; Norway ने Round of 16 में Brazil को 2-1 से हराया जो टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर माना जा रहा है। (Press Information Bureau) किलियन एम्बापे इस टूर्नामेंट में 7 गोल के साथ Golden Boot की दौड़ में सबसे आगे हैं। मोरक्को ने अब तक Canada (3-0) को हराया है और अफ्रीका का परचम थामे हुए हैं।

2. FIFA WC Quarter-Final Bracket Set: France/Morocco, Spain/Belgium, Norway/England, Argentina/Switzerland to Battle for Semis
हिन्दी अनुवाद: FIFA विश्व कप क्वार्टर-फाइनल ब्रैकेट तय: फ्रांस-मोरक्को, स्पेन-बेल्जियम, नॉर्वे-इंग्लैंड, अर्जेंटीना-स्विट्ज़रलैंड के बीच सेमी के लिए महाभिड़ंत।
Round of 16 के सभी परिणाम: मोरक्को 3-0 कनाडा, फ्रांस 1-0 पैराग्वे, नॉर्वे 2-1 ब्राज़ील, इंग्लैंड 3-2 मेक्सिको, स्पेन 1-0 पुर्तगाल, बेल्जियम 4-1 USMNT, अर्जेंटीना 3-2 मिस्र, स्विट्ज़रलैंड ने कोलंबिया को पेनल्टी पर 4-3 से हराया। (Sofascore) क्वार्टर-फाइनल शेड्यूल: 9 जुलाई — फ्रांस-मोरक्को (Boston); 10 जुलाई — स्पेन-बेल्जियम (Los Angeles); 11 जुलाई — नॉर्वे-इंग्लैंड (Miami) और अर्जेंटीना-स्विट्ज़रलैंड (Kansas City)। सेमी-फाइनल: 14 जुलाई (Dallas) और 15 जुलाई (Atlanta); फाइनल: 19 जुलाई MetLife Stadium, New Jersey।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"ज्ञान का संचय ही आपकी वास्तविक क्षमता का निर्माण करता है। प्रतिदिन कुछ नया पढ़ें, निरंतर आगे बढ़ें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

समय के साथ चलने वाला किसान

गंगा किनारे बसे एक गाँव में दो मत्स्य किसान रहते थे—रघु और श्याम। दोनों ही मेहनती थे और वर्षों से मछली पालन का काम कर रहे थे।

रघु का विश्वास था कि पुराने तरीके ही सबसे अच्छे हैं। वह हर साल वही बीज, वही चारा और वही तालाब प्रबंधन अपनाता था। दूसरी ओर, श्याम भी खूब मेहनत करता था, लेकिन हर महीने मत्स्य विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर में अवश्य जाता। वहाँ वह नई तकनीकों, पानी की गुणवत्ता जाँच, संतुलित आहार, उन्नत मत्स्य बीज और तालाब की वैज्ञानिक देखभाल के बारे में सीखता रहता।

गाँव के कुछ लोग उसका मज़ाक उड़ाते थे। वे कहते, “इतना पढ़-लिखकर मछली ही तो पालनी है!”

श्याम मुस्कुराकर केवल इतना कहता, “समय बदल रहा है, इसलिए सीखना भी ज़रूरी है।”

कुछ महीनों बाद दोनों तालाबों से मछलियाँ निकाली गईं। सब हैरान रह गए। श्याम के तालाब में मछलियाँ अधिक थीं, उनका आकार भी बड़ा था और उनकी गुणवत्ता भी बेहतर थी।

10 जुलाई, राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय में श्रेष्ठ मत्स्य किसान सम्मान की घोषणा हुई। श्याम को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के बाद रघु ने विनम्रता से पूछा, “मैंने भी उतनी ही मेहनत की, फिर मैं पीछे क्यों रह गया?”

श्याम ने मुस्कुराते हुए कहा, “भाई, मेहनत बहुत ज़रूरी है, लेकिन समय के साथ ज्ञान और तकनीक को अपनाना भी उतना ही आवश्यक है। जो सीखना बंद कर देता है, उसकी प्रगति भी रुक जाती है।”

उस दिन गाँव के सभी किसानों ने संकल्प लिया कि वे परिश्रम के साथ-साथ नई जानकारी भी सीखेंगे और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करेंगे।

सीख : समय बदलता रहता है। जो व्यक्ति सीखता रहता है, स्वयं को विकसित करता रहता है और नई तकनीकों को अपनाने का साहस रखता है, वही भविष्य का नेतृत्व करता है।

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

समय प्रबंधन और दैनिक समय सारणी — घंटी बजने से ज्ञान के जुड़ाव तक

शिक्षक साथियों, हम अक्सर एक शिकायत करते हैं— "क्या करें, 40 मिनट की घंटी (Period) में हाजिरी लें, बच्चों की कॉपियां जांचें या पाठ पढ़ाएं? समय ही नहीं बचता।" यह चुनौती हर उस शिक्षक की है जो समय को केवल घड़ी की सुइयों से मापता है। बाल मनोविज्ञान और शिक्षण शास्त्र कहता है कि प्रभावी समय प्रबंधन (Time Management) का अर्थ केवल समय पर पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं है, बल्कि कक्षा के हर मिनट का इस प्रकार उपयोग करना है कि वह बच्चे के 'अटेंशन स्पैन' (Attention Span - एकाग्र रहने की अवधि) के अनुकूल हो।

वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि एक प्राथमिक कक्षा के बच्चे का अटेंशन स्पैन उसकी उम्र के दोगुने के बराबर (मिनटों में) होता है। यानी अगर बच्चा 7-8 साल का है, तो वह लगातार केवल 15 से 20 मिनट ही किसी एक बात पर पूरा ध्यान दे सकता है। इसके बाद उसका दिमाग आराम या बदलाव मांगता है। यदि हमारी घंटी 40 मिनट की है और हम पूरे समय केवल व्याख्यान देते रहेंगे, तो आखिरी के 20 मिनट पूरी तरह व्यर्थ चले जाएंगे। इसलिए, एक कुशल शिक्षक अपनी 40 मिनट की अवधि को सूक्ष्म चरणों में विभाजित करता है।

उदाहरण:

आइए इसे कक्षा 4 में गणित या भाषा के एक 40 मिनट के पीरियड के आदर्श 'समय-विभाजन' (Time-Splitting) से समझते हैं:

- प्रथम 5 मिनट (Engage - ध्यानाकर्षण): कक्षा में आते ही सीधे किताब नहीं खोलनी है। पहले 5 मिनट में पिछले दिन के पाठ से जुड़ा कोई मजेदार सवाल, एक छोटी सी पहेली या कोई रोचक गतिविधि करनी है ताकि बच्चों का दिमाग पूरी तरह आपकी कक्षा से जुड़ जाए।
- अगले 15 मिनट (Teach - मुख्य शिक्षण): यह वह समय है जब बच्चे का ध्यान अपने उच्चतम स्तर पर होता है। इस दौरान आपको मुख्य अवधारणा (Concept) को टीएलएम या ब्लैकबोर्ड के माध्यम से समझाना है। भाषण छोटा और सटीक होना चाहिए।
- अगले 15 मिनट (Do - अभ्यास कार्य): अब शिक्षक को शांत होना है और बच्चों को सक्रिय करना है। इस समय बच्चे जोड़ियों में या व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका (Workbook) या गतिविधियों के माध्यम से उस अवधारणा का अभ्यास करेंगे और शिक्षक घूम-घूम कर उनकी व्यक्तिगत कठिनाइयों को दूर करेंगे।
- अंतिम 5 मिनट (Summarize - निष्कर्ष): घंटी बजने से ठीक पहले, शिक्षक किसी एक या दो बच्चों से पूछेगा कि आज उन्होंने क्या सीखा, या एक छोटा सा खेल खिलाकर पाठ का सारांश प्रस्तुत करेगा।

इस प्रकार के प्रबंधन से समय कभी कम नहीं पड़ता और बच्चा पूरी घंटी के दौरान ऊबता नहीं है क्योंकि हर 15 मिनट में उसकी शारीरिक और मानसिक स्थिति बदल रही है।

शिक्षक साथियों, समय सारणी (Time Table) बनाते समय भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) और NCF कुछ लचीले बदलावों की वकालत करते हैं। उदाहरण के लिए, गणित और भाषा जैसे मुख्य विषयों को सुबह के शुरुआती पीरियड में रखा जाना चाहिए जब बच्चों का मस्तिष्क पूरी तरह तरोताजा होता है। दोपहर के भोजन (Mid-day Meal) के बाद, जब बच्चों में थोड़ी सुस्ती आने लगती है, तब कला, संगीत, शारीरिक शिक्षा या कहानी सुनाने जैसे व्यावहारिक विषयों को स्थान मिलना चाहिए ताकि उनकी ऊर्जा का स्तर दोबारा बढ़ सके।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि समय प्रबंधन का मतलब घड़ी को देखना नहीं, बल्कि बच्चों की मानसिक गति को पहचानना है। जब हम समय को बच्चों के ध्यान के अनुसार ढाल लेते हैं, तो कक्षा में अनुशासन की समस्याएं भी 80% तक कम हो जाती हैं। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा का समय-विभाजन बच्चों के अटेंशन स्पैन के अनुकूल है? क्या आपकी 40 मिनट की घंटी में बच्चों को खुद काम करने का पर्याप्त अवसर मिल रहा है?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर

बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : बेगूसराय, अंक–2"

'संपादकीय'✍️

बेगूसराय: सिमरिया का आध्यात्मिक कल्पवास, बरौनी की औद्योगिक आर्थिकी और भारी उद्योग

बेगूसराय की सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का हृदय इसके पावन गंगा तटों और ऐतिहासिक शक्तिपीठों में धड़कता है, जिसमें सिमरिया धाम का स्थान सर्वोपरि है। गंगा नदी के उत्तरी तट पर स्थित सिमरिया घाट संपूर्ण उत्तर भारत के लिए अगाध श्रद्धा का केंद्र है, जहाँ प्रत्येक वर्ष कार्तिक मास में लगने वाला ऐतिहासिक 'कल्पवास मेला' सदियों पुरानी आध्यात्मिक परंपरा का गवाह है। यहाँ देश भर से आने वाले श्रद्धालु एक महीने तक कुटिया बनाकर नदी तट पर सात्विक जीवन व्यतीत करते हैं, जो इस औद्योगिक जिले को एक अनूठा दार्शनिक रूप प्रदान करता है। इसके साथ ही, कावर झील के मध्य टापुओं पर स्थित जयमंगलागढ़ मंदिर (पालकालीन शक्तिपीठ) और नौलागढ़ के पुरातात्विक स्थल यहाँ की प्राचीन शाक्त और तांत्रिक परंपरा के जीवित प्रमाण हैं, जो बेगूसराय के सामाजिक ताने-बाने को एक अटूट सांस्कृतिक सूत्र में बांधते हैं।

आर्थिक और औद्योगिक मोर्चे पर बेगूसराय संपूर्ण बिहार का निर्विवाद औद्योगिक इंजन है। इस विशाल आर्थिकी का मुख्य स्तंभ बरौनी औद्योगिक संकुल (Industrial Complex) है। सन 1964 में सोवियत संघ के सहयोग से स्थापित बरौनी तेल शोधक कारखाना (IOCL Refinery) समूचे पूर्वी भारत की ऊर्जा सुरक्षा की रीढ़ है, जिसने इस क्षेत्र को एक वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर स्थापित किया। इसके समांतर, हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (HURL) का आधुनिक नीम-लेपित यूरिया संयंत्र, बरौनी थर्मल पावर स्टेशन (BTPS) और सुधा डेयरी (बरौनी डेयरी) का विशाल प्रसंस्करण नेटवर्क मिलकर इस जिले की अर्थव्यवस्था को असाधारण मजबूती प्रदान करते हैं। बरौनी डेयरी के माध्यम से प्रतिदिन लाखों लीटर दूध का संग्रहण और विपणन उत्तर बिहार के हजारों ग्रामीण परिवारों को प्रत्यक्ष और सुदृढ़ आर्थिक सुरक्षा कवच प्रदान करता है।

कुटीर और कृषि-आधारित उद्योगों की बात करें तो बेगूसराय का मक्का प्रसंस्करण क्लस्टर आज राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी है। जिले के बेगुसराय सदर, मटिहानी और बरौनी प्रखंडों में उत्पादित उच्च गुणवत्ता वाले मक्के को स्थानीय स्तर पर प्रोसेस कर पशु आहार और स्टार्च निर्मित किया जाता है। हाल के वर्षों में उद्योगों के विस्तार के क्रम में यहाँ स्थापित हो रही आधुनिक एथेनॉल निर्माण इकाइयाँ (Ethanol Plants) बिहार की नई औद्योगिक नीति को गति दे रही हैं। इसके साथ ही, खोदावंदपुर और छौड़ाही के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में जीविका दीदियों के माध्यम से संचालित मधुमक्खी पालन और शहद प्रसंस्करण (Honey Processing) का व्यापक संजाल 'मीठी क्रांति' के रूप में उभर रहा है, जिसके उत्पाद घरेलू बाज़ारों से लेकर डाबर जैसी बड़ी कंपनियों तक थोक भाव में भेजे जाते हैं।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो बेगूसराय में 'पेट्रोकेमिकल्स डाउनस्ट्रीम इंडस्ट्रीज' और 'इको-टूरिज्म' की असीमित संभावनाएं हैं। बरौनी रिफाइनरी के आधुनिकीकरण और कच्चे माल की प्रचुर उपलब्धता के कारण यहाँ प्लास्टिक, सिंथेटिक फाइबर और रबर आधारित छोटे उद्योगों का एक विशाल पारिस्थितिकी तंत्र आकार ले रहा है। साथ ही, एशिया की सबसे बड़ी गोखुर झील कावर झील (रामसर साइट) और राष्ट्रकवि दिनकर की स्मृति में सिमरिया घाट को एकीकृत कर यदि 'पारिस्थितिक-सांस्कृतिक पर्यटन' (Eco-Cultural Tourism) के रूप में विकसित किया जाए, तो यह उत्तर बिहार में होटल, गाइड, लॉजिस्टिक्स और स्थानीय जल परिवहन उद्योग के लिए हज़ारों प्रत्यक्ष रोज़गार के नए अवसर पैदा करने में पूरी तरह सक्षम है।

can, अंततः, बेगूसराय का यह अंतिम आर्थिक-सांस्कृतिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यह जिला अपने क्रांतिकारी और साहित्यिक अतीत की तरह ही आधुनिक आर्थिक मोर्चे पर भी बिहार की प्रगति की कमान संभाले हुए है। सिमरिया घाट के भजनों की गूँज से लेकर बरौनी रिफाइनरी की चिमनियों की धड़कन तक, कावर झील के पक्षियों के कलरव से लेकर सुधा डेयरी के दुग्ध-टैंकरों की हलचल तक—बेगूसराय आत्मनिर्भर और आधुनिक बिहार का सबसे जीवंत और औद्योगिक ब्लूप्रिंट प्रस्तुत करता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए इस वृहद औद्योगिक ढांचे, पेट्रोकेमिकल आर्थिकी और रामसर स्थल के सतत विकास के इस व्यावहारिक मॉडल का यह गहन अध्ययन बिहार की आर्थिक नियति और विकास की चुनौतियों को समझने की एक अत्यंत सटीक और प्रामाणिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। .....✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

🙏 भावभीनी विदाई एवं कृतज्ञता ज्ञापित 🙏

"विदाई तो केवल एक दस्तूर है, आपके कार्यों की महक इस चम्पारण की माटी में सदा जीवित रहेगी!"
यह समय पश्चिमी चम्पारण, बेतिया के संपूर्ण शिक्षा जगत के लिए अत्यंत भावुक और हृदय को भारी कर देने वाला है। हमारे मार्गदर्शक, अत्यंत लोकप्रिय और चम्पारण के कोने-कोने में शिक्षा की अलख जगाने वाले आदरणीय जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री रवींद्र कुमार सर को हम सभी आज नम नयनों से विदाई दे रहे हैं।

"सौम्यता जिनकी पहचान रही, सहजता जिनका व्यवहार था,
हर शिक्षक के दिल में बसने वाला, वो चम्पारण का गौरव आधार था।"

अमिट छाप और बेमिसाल कार्यशैली:

श्री रवींद्र कुमार सर का कार्यकाल चम्पारण के इतिहास में एक 'स्वर्णिम अध्याय' के रूप में याद किया जाएगा। शिक्षा जगत में ऐसे प्रशासनिक अधिकारी बिरले ही देखने को मिलते हैं जिन्होंने पद की गरिमा के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं को सर्वोपरि रखा।

सुलभता और सहजता: आपकी सबसे बड़ी खूबी आपकी सुलभता रही। ज़िले का साधारण से साधारण शिक्षक या कर्मचारी भी बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी समस्याओं को लेकर आपके समक्ष उपस्थित हो सकता था। आपने कभी किसी को निराश नहीं किया।

शिक्षकों के दिलों में वास: अपनी सौम्यता और बेहतरीन कार्यशैली से आपने केवल दफ्तर नहीं चलाया, बल्कि चम्पारण के हज़ारों शिक्षक-शिक्षिकाओं के दिलों में एक पारिवारिक सदस्य की तरह अपनी जगह बनाई है।

सकारात्मक नेतृत्व: मुश्किल से मुश्किल विभागीय चुनौतियों को भी मुस्कुराते हुए और शांत रहकर सुलझाना आपकी विशिष्ट कला रही है, जिसने पूरे जिले के शैक्षणिक वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया।

💔

आदरणीय सर, प्रशासनिक नियमों के तहत आपका स्थानांतरण भले ही हमें आपसे शारीरिक रूप से दूर कर रहा है, परंतु आपके द्वारा किए गए सुधार, आपकी सादगी और आपका स्नेह हमेशा चम्पारण की पाठशालाओं में मार्गदर्शक बनकर जीवित रहेगा। आपके विदाई के इस क्षण पर शब्द कम पड़ रहे हैं और हर आँख नम है।

🤲 मंगलकामनाएं एवं सादर आभार

चम्पारण का समस्त शिक्षा परिवार आपके प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता और आभार प्रकट करता है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आपका आगामी जीवन और नई ज़िम्मेदारी का कार्यकाल सफलता, उत्तम स्वास्थ्य और असीम आनंद से परिपूर्ण हो। आप जहाँ भी जाएँ, अपनी कार्यकुशलता से सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करें।

चम्पारण की ऐतिहासिक धरा से आपको सादर प्रणाम, नमन और भावभीनी विदाई!

शैलेन्द्र...!🙏🙏🙏

हार्दिक अभिनंदन एवं आत्मीय स्वागत

"अनुभव के संचित आलोक और कुशल नेतृत्व का ऐतिहासिक पुनरागमन!"

अत्यंत हर्ष, गौरव और उल्लास का विषय है कि पश्चिमी चम्पारण, बेतिया की पावन ऐतिहासिक धरा पर शिक्षा जगत को एक नया संबल, एक नई ऊर्जा और एक दूरदर्शी विज़न देने के लिए आदरणीय श्री राजन कुमार जी का जिला शिक्षा पदाधिकारी (DEO) के रूप में पुनरागमन हो रहा है। कार्यकुशलता जिनकी विशिष्ट पहचान है और शिक्षा का सर्वांगीण संवर्धन जिनका परम ध्येय है, ऐसे कर्मठ, न्यायप्रिय एवं संवेदनशील शिक्षा सारथी का बेतिया की इस महान भूमि पर चम्पारण शिक्षा परिवार कोटि-कोटि अभिनंदन करता है।

श्री राजन कुमार जी हमारे ज़िले के लिए कोई नया नाम नहीं हैं। पूर्व में भी इस ज़िले में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (DPO) के रूप में स्थापना, समग्र शिक्षा अभियान, पीएम पोषण (मध्याह्न भोजन योजना), माध्यमिक शिक्षा तथा साक्षरता विभाग में दी गई आपकी शानदार, पारदर्शी और ऐतिहासिक सेवाएँ आज भी हर शिक्षक, शिक्षिका और छात्र के मानस पटल पर अमिट रूप से अंकित हैं। शिक्षा के लोकतंत्रीकरण, प्रशासनिक सुगमता और धरातल पर कल्याणकारी सरकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत पारदर्शिता के साथ उतारने की आपकी अनूठी कला और अनुकरणीय योगदान हम सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहा है।

चम्पारण से विदा होने के उपरांत भी आपकी कर्मठता और विजय-यात्रा अनवरत जारी रही। कैमूर और गोपालगंज जैसे महत्वपूर्ण जिलों में जिला शिक्षा पदाधिकारी (DEO) के रूप में आपका कार्यकाल अत्यंत गौरवशाली और उपलब्धियों से भरा रहा। कैमूर में जहाँ आपने अपने प्रशासनिक कौशल से शैक्षणिक अनुशासन की नई इबारत लिखी, वहीं गोपालगंज में बुनियादी शिक्षा के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों के आधुनिकरण और शिक्षक-हितों की त्वरित रक्षा के लिए आपके द्वारा किए गए अभिनव प्रयोगों की गूंज आज भी पूरे राज्य के शिक्षा जगत में सुनाई देती है। इन दोनों जिलों को विकास के शीर्ष पायदान पर पहुँचाने का आपका समृद्ध अनुभव अब हमारे चम्पारण को मिलने जा रहा है।

आपका पुनः इस ज़िले में शीर्ष प्रशासनिक नेतृत्व के रूप में आना इस बात का अकाट्य साक्ष्य है कि पश्चिमी चम्पारण में शिक्षा व्यवस्था अब प्रगति के एक नए और स्वर्णिम युग में प्रवेश करने जा रही है। हमें आशा ही नहीं, अपितु पूर्ण विश्वास है कि आपके इस नए और ऊर्जावान कार्यकाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के क्रियान्वयन, निपुण भारत मिशन और बुनियादी साक्षरता के लक्ष्यों को एक तीव्र और नई गति प्राप्त होगी। आपके कुशल मार्गदर्शन में विद्यालयों का परिवेश और अधिक सुदृढ़, अनुशासित, पारदर्शी तथा छात्र-केंद्रित बनेगा, जिससे हमारे नौनिहालों का भविष्य सुरक्षित होगा।

इस नव-आगमन पर संपूर्ण शिक्षक समाज, शिक्षिकाएं, शिक्षाविद् और समस्त चम्पारण वासी आपके कुशल समन्वय, संवेगात्मक नेतृत्व और बेदाग प्रशासनिक छवि पर गर्व महसूस करते हुए अपनी असीम शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं। हमें पूरा भरोसा है कि आपके दिशा-निर्देशन में बेतिया शिक्षा के क्षेत्र में बिहार राज्य में ही नहीं, अपितु देश के मानचित्र पर अपनी एक विशिष्ट और गौरवशाली पहचान स्थापित करेगा। चम्पारण की इस ऐतिहासिक, पावन एवं क्रांतिकारी धरा पर आपका पुनः हृदय की असीम गहराइयों से सादर अभिनंदन, वंदन और स्वागत है!

विनीत:
समस्त शिक्षक वृन्द एवं शिक्षा परिवार
पश्चिमी चम्पारण, बेतिया (बिहार)

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 -9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org